

## जरिफ

लगभग 150 साल पहले, ब्रिटिश उपनिवेशवादी अफ्रीका में अपने अन्य औपनिवेशिक क्षेत्रों से जरिफों को लाए थे।

### जरिफ के बारे में मुख्य बटु -

#### ■ सामान्य:

##### ○ शारीरिक विशेषताएँ:

- जरिफ , (जीनस जरिफ ) अफ्रीका के लंबी गर्दन और खुर वाले स्तनधारियों की चार प्रजातियों में से एक है। लंबे पैरों के साथ इनमें हल्की पृष्ठभूमि पर अनियमित भूरे रंग के पैच होते हैं।
- भूमि पर पाए जाने वाले सभी जानवरों में जरिफ सबसे ऊँचे हैं; नर की ऊँचाई 5.5 मीटर (18 फीट) तक तथा मादा की ऊँचाई लगभग 4.5 मीटर तक होती है।
- लगभग आधे मीटर लंबी प्रीहेंसाइल (पकड़ने वाली) जीभ का उपयोग करके, वे ज़मीन से लगभग छह मीटर की दूरी तक के पत्तों तक पहुँचने में सक्षम हैं।
- जरिफ चार साल की उम्र तक लगभग अपनी पूरी ऊँचाई प्राप्त कर लेते हैं लेकिन इनका वज़न सात या आठ साल की उम्र तक बढ़ता है। नर जरिफ का वज़न 1,930 किलोग्राम, मादा जरिफ का वज़न 1,180 किलोग्राम तक होता है।
- दोनों के पास एक जोड़ी सींग होते हैं, हालाँकि नर जरिफ की खोपड़ी पर हड्डी जैसा कुछ उभार होता है।

##### ○ खान-पान की आदतें:

- जरिफ मुख्य रूप से काँटेदार बबूल के पेड़ के नए अंकुर और पत्ते खाना पसंद करते हैं।
- जरिफ अपने भोजन से अधिकांश जल प्राप्त करते हैं, हालाँकि शुष्क मौसम में वे कम-से-कम हर तीन दिन में जल पीते हैं।

##### ○ भौगोलिक स्थिति:

- पूर्वी अफ्रीका में घास के मैदानों और खुले जंगलों में जरिफ आमतौर पर देखे जा सकते हैं।

#### ■ भारतीय जरिफ:

- भारत में उत्तरी जरिफ (29 व्यक्तगित जरिफ) की सबसे बड़ी कैप्टिव आबादी कोलकाता के अलीपुर जूलॉजिकल गार्डन में है।
  - एक हालिया वंशावली अध्ययन ने पुष्टि की है कि इसमें कम-से-कम नूबयिन जरिफ या रॉथचाइल्ड जरिफ होने की सबसे अधिक संभावना है।
- नूबयिन जरिफ, जरिफ की उप-प्रजाति है जो पूर्वोत्तर अफ्रीका में हर जगह व्यापक रूप से पाई जाती थी। हालाँकि पिछले 3 दशकों में नूबयिन जरिफ की 95% आबादी में गिरावट आई है
  - रॉथचाइल्ड, जरिफ की सबसे ऊँची उप-प्रजातियों में से एक है, जिसकी लंबाई 6 मीटर तक होती है। इसका रंग अन्य जरिफों की तुलना में अद्वितीय है क्योंकि इनके शरीर पर बने नशान उनके आधे पैरों तक ही होते हैं।
- IUCN रेड लिस्ट स्थिति:
  - नूबयिन जरिफ - गंभीर रूप से लुप्तप्राय
  - रॉथचाइल्ड जरिफ - लुप्तप्राय

### स्रोत: द हट्टि